

सहायता अनुदान के लिए प्रपत्र

- 1 धार्मिक संस्थान/स्मारक का पूरा नाम व पता:  
 -----धार्मिक संस्थान/स्मारक  
 गांव-----ग्राम पंचायत-----  
 डाकघर-----तहसील-----  
 उपमण्डल-----जिला-----  
 पिन कोड-----
- 2 धार्मिक संस्थान/स्मारक  
 सार्वजनिक सम्पदा है : हां / नहीं
- 3 यदि (2) का उत्तर हां में है तो कौन  
 सी संस्था अथवा ट्रस्ट चला रहा है :
- 4 धार्मिक स्थल की आयु : -----वर्ष या निर्माण वर्ष-----
- 5 धार्मिक स्थल के चारों कोनों के चार  
 छायाचित्र संलग्न हैं या नहीं ?
- 6 मरम्मत कार्य का संक्षिप्त विवरण  
 जिसके लिए अनुदान अपेक्षित है :
- 7 पूर्वोक्त मरम्मत कार्य पर होने वाले  
 कुल अनुमानित व्यय की राशि :
- 8 धार्मिक स्थल का ऐतिहासिक एवं  
 सांस्कृतिक विवरण :
- 9 राजस्व रिकॉर्ड संलग्न है या नहीं ?
- 10 अपेक्षित अनुदान की राशि जिसकी  
 सरकार से आशा है तथा शेष राशि  
 संस्था किस प्रकार वहन करेगी कृपया  
 ब्यौरा दें :
- 11 क्या इस कार्य के लिए किसी अन्य  
 स्रोत से भी सहायता प्राप्त की गई है  
 (यदि हां तो ब्यौरा दें अन्यथा हल्फनामा दें ):
- 12 कोई अन्य सूचना, यदि कोई हो :  
 मैं सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ कि पूर्वोक्त मेरे प्रतिज्ञान और विश्वास के अनुसार  
 सही है ।

स्थान.....  
 तिथि.....

अनुदानग्राही के हस्ताक्षर.....  
 (नाम.....)  
 पदनाम.....  
 पता... ..

-----  
 दूरभाष संख्या, कोड सहित.....

जिला भाषा अधिकारी/संग्रहालयाध्यक्ष/उपमण्डल अधिकारी (ना0)/उपायुक्त की  
 सिफारिश :



प्रमाणपत्र

(यदि धार्मिक संस्थान/स्मारक आबादी देह में बना हुआ हो )

प्रमाणित किया जाता है कि .....(देवता का नाम) का मन्दिर,  
मौजा.....परगना.....तहसील.....जिला..... के खसरा  
नम्बर..... में बना हुआ था जो कि आबादी देह का नम्बर है ।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त मन्दिर किसी की निजी सम्पत्ति न  
हो कर सार्वजनिक सम्पत्ति है ।

स्थान:.....  
दिनांक:.....

हस्ताक्षर(पटवारी).....  
मोहर

(परियोजना-12)

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि .....(देवता का नाम) का  
संस्थान/स्मारक (मंदिर), मौजा.....परगना.....तहसील.....जिला.....  
..... के खसरा नम्बर..... में बना हुआ था जो कि दिनांक:.....  
को जल चुका है / बरसात में गिर चुका है / भूस्खलन से गिर चुका है /.....  
.....(प्राकृतिक आपदा का नाम) से गिर चुका है ।

स्थान:.....

हस्ताक्षर (पटवारी) मोहर सहित

प्रतिहस्ताक्षर

तहसीलदार/उपमण्डलाधिकारी/जिलाधीश

(कृपया मन्दिर के किसी एक फोटो के पीछे ये प्रमाणपत्र दर्ज करवाएं)

प्रमाणित किया जाता है कि यह फोटो .....मन्दिर  
का है जो कि खसरा नम्बर.....मौजा.....परगना.....  
.....तहसील.....जिला में स्थित था ।

हस्ताक्षर(पटवारी).....  
मोहर

**Justification Certificate for Retaining/Breast wall**

It is certified that Retaining wall(s)/breast wall (s) as shown in drawings is/are necessary for the protection of -----  
--temple situated at village ----- Gram Panchayat -----  
----- Tehsil ----- District -----.

Place: Assistant Engineer,

Date: Subdivision(With Seal)

(प्रपत्र-7)

दूसरी किस्त जारी करने के लिए प्रमाण-पत्र

- 1 प्रमाणित किया जाता है कि मैं इससे संतुष्ट हूँ कि जिन नियमों के अनुसार .....  
.....धार्मिक संस्थान/स्मारक को रूपये.....  
का सहायतानुदान स्वीकृत हुआ है उसके अनुसार इन्होंने अपना आधा कार्य  
पूर्ण कर लिया है ।
- 2 संस्था द्वारा कृत कार्य प्राक्कलन में अनुमोदित मदों के आधार पर हुआ है ।
- 3 मैंने स्वयम् देखा है ।
- 4 मेरा निवेदन है कि उसी के शेष बचे कार्य के लिए, इन्हें अनुदान की पहली  
किस्त, जो कि रूपये.....बनती है, को जारी कर दी जाए ।

जिला भाषा अधिकारी/संग्रहालयध्यक्ष  
उपमण्डलाधिकारी(ना0)/उपायुक्त  
विभागीय कनिष्ठ अभियन्ता/पुरातत्व अभियन्ता

(प्रपत्र-8)

उपयोगिता प्रमाणपत्र का प्रपत्र

कृपया पत्र संख्या.....दिनांक.....राशि.....

प्रमाणित किया जाता है कि.....मात्र की स्वीकृति सहायतानुदान राशि से वर्ष के दौरान.....के रूप में इस विभाग के पत्र संख्या:.....तथा हाशिए में दी गई तिथि के अधीन रूप्ये.....की राशि हिमाचल.....के प्रयोजन/उद्देश्य के लिए उपयोग की गई जिसके लिए यह स्वीकृत की गई थी तथा शेष.....रूप्ये की एक वर्ष के अन्त तक उपयोग न की गई राशि का सरकार को पत्र..... दिनांक: द्वारा अमर्त्यपण किया गया है जो कि आगामी.....आगामी वर्ष.....में दी जाने वाली सहायतानुदान में समायोजित की जाएगी।

स्थान.....

हस्ताक्षर.....

.....

तिथि.....

संस्थाध्यक्ष.....

.....

(नाम व पूरा पता)

---

प्रमाणित किया जाता है कि मैं इससे संतुष्ट हूं कि जिन शर्तों पर सहायतानुदान स्वीकृत किया गया था से पूर्ण की गई हैं/पूर्ण की जा रही हैं तथा धन का वास्तव में उसी उद्देश्य के लिए उपयोग किया गया है जिसके लिए यह स्वीकृत किया गया है।

जिला भाषा अधिकारी/संग्रहालयध्यक्ष  
उपमण्डल अधिकारी(ना0)/उपायुक्त  
विभागीय कनिष्ठ अभियन्ता/पुरातत्व अभियन्ता

-----  
प्रतिहस्ताक्षरित

आहरण एवं संवितरण अधिकारी

निदेशक, भाषा एवं संस्कृति विभाग, हि0प्र0

प्राक्कलन (Estimate) तैयार करने के लिए मार्ग-निर्देश

- 1 धार्मिक संस्थान/स्मारक की साइट पर उसके प्लिंथ के अवशेषों (*remains of plinth*) को माप कर तथा उपलब्ध पुराने छायाचित्र के आधार पर उसकी ड्राईंग (*To Scale*) तैयार करें और इसमें निम्नलिखित दर्शाएं:
  - 1 *Ground & all other Floor Plans*
  - 2 *Front & Side Elevations*
  - 3 *One X-Section of temple & Retaining/Boundary wall*
  - 4 *Site Plan*(छायाचित्र तथा ड्राईंग आपस में शतप्रतिशत मेल खाने चाहिए)
- 2 प्राक्कलन (*Estimate*) चार प्रतियों में होना चाहिए ।
- 3 ड्राईंग अमोनिया प्रिंट्स पर चार प्रतियों में होनी चाहिए ।
- 4 धार्मिक संस्थान/स्मारक (मन्दिर) को रंग-रोगन करना मान्य नहीं है।
- 5 धार्मिक संस्थान/स्मारक (मन्दिर) को उसी सामग्री से निर्मित करें जिससे कि मूल भवन बना था । आधुनिक सामग्री का प्रयोग वर्जित है । (*original specifications of burnt/ruined structure must be adhered strictly and change of specifications of any kind is not permissible* )
- 6 उपरोक्त के अतिरिक्त प्राक्कलन में ये मदें (*Items*) भी ले सकते हैं:
  - 1 *P/L Chakka stone flooring around the temple*
  - 2 *Boundary wall, in conformity with revenue record.*
  - 3 *Drainage sytem for rain water*
- 7 प्राक्कलन कम से कम कनिष्ठ अभियन्ता से हस्ताक्षरित होना चाहिए और यदि प्रतिधारण दीवार (*Retaining wall*) लगाई जानी हो तो औचित्य प्रमाण पत्र (*Justification Certificate*) व प्राक्कलन, सहायक अभियन्ता से हस्ताक्षरित होना चाहिए ।



(परियोजना-12)  
(CHECK LIST)

स्मारकों/धार्मिक संस्थानों के प्रकरण प्रस्तुत करने से पूर्व  
कृपया चैक करें:

- 1 सहायतानुदान प्रपत्र व सर्वेक्षण प्रपत्र सही ढंग से भरे गए हैं या नहीं इसमें देखें कि:
  - 1 कोई मद्द खाली तो नहीं है ?
  - 2 प्रपत्र को सक्षम अधिकारी (जिला भाषा अधिकारी / उपमण्डलाधिकारी / जिलाधीश से सिफारिशित / संस्तुत करवाएं ।
  - 3 आवेदक का पूरा नाम व पता दर्ज होना चाहिए ।
- 2 प्राक्कलन (Estimate) :
  - 1 Abstract of Cost चार प्रतियां
  - 2 Detail of Measurements चार प्रतियां
  - 3 Drawings in Ammonia prints चार प्रतियां
- 3 ये राजस्व दस्तावेज साथ लगाएं :
  - 1 पर्चा जमाबन्दी
  - 2 अक्स ततीमा
  - 3 यदि धार्मिक संस्थान/स्मारक (मंदिर) आबादी में है तो पटवारी से निम्नलिखित प्रमाणपत्र लेकर संलग्न करें । :

प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि .....(देवता का नाम)  
का संस्थान/स्मारक (मंदिर), मौजा.....परगना.....तहसील.....  
.....जिला..... में खसरा नम्बर..... में बना हुआ है जो कि  
आबादी देह का नम्बर है ।

यह भी प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त संस्थान/स्मारक (मंदिर)  
किसी की निजी सम्पत्ति न हो कर सार्वजनिक सम्पत्ति है ।

- 4 धार्मिक संस्थान/स्मारक किस प्राकृतिक आपदा से गिरा है इसकी रिपोर्ट अलग प्रपत्र-4 पर भिजवाएं ।
- 5 राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार, यदि संस्थान/स्मारक निजी सम्पत्ति होगा तो अनुदान नहीं दिया जा सकेगा । इसके अतिरिक्त यदि संस्थान का स्वरूप हिमाचली संस्कृति को नहीं दर्शाता होगा तो भी अनुदान नहीं दिया जाएगा ।
- 6 संस्थान/स्मारक (मंदिर) का जलने/गिरने से पूर्व का कम से कम एक छायाचित्र अवश्य संलग्न करें और इसके पीछे निम्नलिखित प्रमाणपत्र दर्ज करवाएं ।

“प्रमाणित किया जाता है कि यह फोटो .....धार्मिक  
संस्थान/स्मारक (मंदिर) का है जो कि खसरा नम्बर.....मौजा.....  
.....परगना.....तहसील.....जिला..... में स्थित  
था और अब जल/गिर चुका है ।

हस्ताक्षर (पटवारी).....  
(मोहर सहित)

- 7 धार्मिक संस्थान/स्मारक (मंदिर) का इतिहास जो कि कम से कम दो पृष्ठ का हो, संलग्न करें ।

प्रकरण भिजवाने के लिए पता:

निदेशक, भाषा एवं संस्कृति विभाग,  
संस्कृति भवन, खण्ड-39, एस0डी0ए0 परिसर,  
कसुम्पटी, शिमला-171 009

## परियोजना- 12

पुरातन स्मारकों/धार्मिक संस्थानों के निर्माण कार्य की योजना  
(सरकार के पत्र संख्या: भाषा-क(3)10/80, दिनांक 11 अक्टूबर, 1985 द्वारा अनुमोदित)

### 1 योजना :

भाषा एवं संस्कृति विभाग सहायतानुदान नियम, 1985 के अन्तर्गत जल कर अथवा गिर कर नष्ट हुए धार्मिक संस्थानों/स्मारकों को अनुदान दिये जाने का प्रावधान रखा गया है।

### 2 उद्देश्य :

- 1 कोई भी धार्मिक संस्थान/स्मारक, जो जल कर या गिर कर नष्ट हो गया हो इस स्मारक/धार्मिक संस्थान को उसी वास्तुकला में तैयार करने के लिए अधिकतम 25,000/- रुपये की धन राशि सहायतानुदान के रूप में दी जायेगी।
- 2 इस प्रकार नष्ट हुए धार्मिक संस्थान/स्मारक का पुराना छायाचित्र होना जरूरी है ताकि वास्तुकला का पता चल सके और उसी प्रकार नया स्मारक/संस्थान बनाया जा सके।
- 3 इस प्रकार नष्ट हुआ मंदिर/स्मारक अगर किसी व्यक्ति की निजी सम्पत्ति हो तो उसे सहायतानुदान नहीं दिया जायेगा।
- 4 निर्माण कार्य पूरा होने के बाद, किसी प्रकार का अवैध कब्जा रोकने के लिए उसके परिसर में चार दिवारी आदि लगाने के लिए भी धन राशि दी जा सकती है।

### 3 प्रक्रिया :

- 1 सहायतानुदान जिला भाषा अधिकारी की सिफारिश पर दिया जायेगा।
- 2 धार्मिक संस्थान/स्मारक के लिए अपेक्षित सहायतानुदान हेतु सम्बंधित उपमण्डलाधिकारी (नागरिक)/जिलाधीश नियमित पत्र पर आवेदन देते हुए तथा मुरम्मत के प्राक्कलन एवं ड्राईंग कम से कम कनिष्ठ अभियंता द्वारा तैयार करवाने के उपरांत भाषा एवं संस्कृति विभाग को भिजवायेंगे।
- 3 प्राक्कलन के साथ धार्मिक संस्थान/स्मारक का पुराना छायाचित्र होना जरूरी है।
- 4 विभाग के संरक्षक/प्रारूपकार भेजे गये प्रकरणों का निरीक्षण करेंगे।
- 5 निदेशक, भाषा एवं संस्कृति की स्वीकृति के पश्चात सहायतानुदान सम्बंधित उपमण्डलाधिकारी/जिलाधीश को दिया जायेगा। ऐसे प्रत्येक मामले की प्रति सम्बंधित जिला भाषा अधिकारी तथा सहायक अभियंता (पुरातत्व) को संदर्भित होगी।

### 4 अनुदान की राशि :

- 1 अनुदान की राशि अनुमानित व्यय के 50 प्रतिशत या अधिक से अधिक 25,000/- रुपये दी जायेगी। बाकी की राशि धार्मिक संस्थान/स्मारक समिति को वहन करनी होगी।
- 2 विशेष कारणों से, जिसका लिखित रूप में रिकार्ड में रखा जायेगा। अनुदान की राशि 75 प्रतिशत तक भी बढ़ाई जा सकती है।
- 3 अनुदान दो किस्तों में दिया जायेगा।  
(क) 50 प्रतिशत मांग स्वीकृति होने पर।  
(ख) 50 प्रतिशत आधा कार्य पूर्ण होने पर।  
(ग) जनजातीय क्षेत्रों तथा पिछड़े क्षेत्रों में अनुदान की राशि एक मुश्त दी जायेगी। इन क्षेत्रों के लिए अनुदान शतप्रतिशत भी दिया जा सकता है। ऐसा करने के लिए निदेशक, भाषा एवं संस्कृति सक्षम होंगे।
- 4 अनुदान की राशि एक वर्ष के भीतर व्यय करनी होगी अन्यथा भाषा एवं संस्कृति विभाग इस राशि को ब्याज सहित एक मुश्त में वापिस लेने का हकदार होगा।
- 5 निदेशक, भाषा एवं संस्कृति इस अवधि को बढ़ाने घटाने में सक्षम होंगे।

### 5 प्रमाण पत्र :

आधा निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने के बाद इस तथ्य का एक प्रमाणपत्र विभाग को भेजा जायेगा जो उपमण्डलाधिकारी/जिलाधीश/जिला भाषा अधिकारी तथा विभाग के सहायक अभियन्ता द्वारा सत्यापित होगा ।

#### 6 निरीक्षण :

- 1 निर्माण कार्य को समय-समय पर भाषा एवं संस्कृति के अधिकारियों को देखने की खुली छूट होगी । यह अधिकारी पुरातत्व की महता को देखते हुए, चल रहे कार्य में परिवर्तन भी मंदिर समितियों को बतायेंगे जो मंदिर कमेटियों द्वारा मान्य होगा ।
- 2 अगर समिति निर्माण कार्य पुरानी वास्तुकला के आधार पर नहीं करती है तो सारी राशि ब्याज सहित वापिस ली जा सकेगी ।